पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

भारत में विदेशों की तुलना में इलाज का खर्च सस्ता है - राज्यपाल

लखनऊः 26 फरवरी, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ के साइंटिफिक कन्वेंशन सेंटर में आयोजित इण्डियन एसोसिएशन आफ प्रिवेंटिव एण्ड सोशल मेडिसिन के 42वे राष्ट्रीय अधिवेशन के उद्घाटन सत्र में कहा कि तीन दिवसीय अधिवेशन में चिकित्सकों के विचार विनिमय के आधार पर निकले निष्कर्ष आम लोगों के स्वास्थ्य के संबंध में काफी उपयोगी होंगे। उन्होंने कहा कि देश की प्रतिभा को योग्य तरीके से उपयोग करें। एक तरफ तो देश की प्रतिभा विदेशों की ओर पलायन कर रही है वहीं दूसरी ओर यह सुखद अनुभव है कि पड़ोसी देशों से बड़ी संख्या में लोग भारत में इलाज कराने आते हैं। भारत में इलाज कराने के पीछे दो कारण हैं। एक तो यहाँ प्रतिभा और विशेषज्ञता है और दूसरा, विदेशों की तुलना में इलाज का खर्च सस्ता है। अच्छी दवाई के साथ रोगी के लिये चिकित्सक का व्यवहार भी महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा के क्षेत्र में आम आदमी के कष्ट को सामने रखते हुये शोध एवं अनुसंधान को आगे बढ़ाने की जरूरत है।

श्री नाईक ने कहा कि हमारे देश में लोक स्वास्थ न सिर्फ सामाजिक दायित्व है बल्कि केन्द्र और राज्य सरकारों के लिये यह एक संवैधानिक दायित्व भी है। संविधान निर्माताओं ने स्वस्थ समाज एवं राष्ट्र की संकल्पना करते हुये जन स्वास्थ को राज्य के नीति-निर्देशक तत्वों में शामिल किया है। ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी, साफ-सफाई की कमी एवं अज्ञान के कारण बीमारी फैलने की संभावना ज्यादा होती है। ऐसी स्थिति में स्वास्थ क्षेत्र में सुधार करने की दिशा में चिकित्सा संस्थाओं को विचार विमार्श करके अपने प्रस्ताव देने चाहिए, ताकि स्वास्थ सुविधाओं की उपलब्धता देश में बेहतर हो सकें। उन्होंने कहा कि रोगों की रोकथाम तथा नियंत्रण की रणनीति तैयार करने की जरूरत है।

कुलपति, प्रो0 रविकान्त ने कहा कि काफी रोग बचाव के उचित तरीके अपनाने से दूर हो सकते हैं। पर्यावरण का स्वास्थ पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि अनुसंधान के माध्यम से यह जानने की जरूरत है कि ऐसे कौन-कौन से सामान्य रोग हैं जिनसे आम लोगों ज्यादा प्रभावित होते हैं।

प्रो0 ए0के0 भारद्वाज, अध्यक्ष, इण्डियन एसोसिएशन आफ प्रिवेंटिव एण्ड सोशल मेडिसिन ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि चिकित्सकों को रोगियों से निरन्तर संवाद स्थापित रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि सहयोग के माध्यम से आम लोगों को ज्यादा से ज्यादा चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायी जा सकती है।

कार्यक्रम में राज्यपाल ने डाॅ0 नजम खालिक, डाॅ0 राजेश तिवारी, डाॅ0 रसानिया, डाॅ0 जे0एस0 ठाकुर व अन्य चिकित्सकों को फेलोशिप अवार्ड देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर एक स्मारिका का भी विमोचन किया गया।

---

42 Annual National Conference of

42 Annual National Conference of
INDIAN ASSOCIATION OF PREVENTIVE AND SOCIAL MEDICINE
26-28 February, 2015
Theme
Universal Health Coverage- Opportunities and Challenges

42 Annual National Conference of
INDIAN ASSOCIATION OF PREVENTIVE AND SOCIAL MEDICINE
26-28 February, 2015
Theme:
Universal Health Coverage-Opportunities and Challenges
Jointly Organized by:
UP, India